

---

## Dakshakritam 2 Shiva Stotram

---

### दक्षकृतं २ शिवस्तोत्रम्

---

#### Document Information



---

Text title : Dakshakritam 2 Shiva Stotram

File name : dakShakRRitaM2shivastotram.itx

Category : shiva, brahmapurANa, stotra

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : brahmapurANa | adhyAya 109/30-35||

Latest update : September 29, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 29, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

दक्षकृतं २ शिवस्तोत्रम्

---



दक्ष उवाच ।  
जय शङ्कर सोमेश जय सर्वज्ञ शम्भवे ।  
जय कल्याणभृच्छम्भो जय कालात्मने नमः ॥ ३० ॥  
आदिकर्तर्नमस्तेऽस्तु नीलकण्ठ नमोऽस्तु ते ।  
ब्रह्मप्रिय नमस्तेऽस्तु ब्रह्मरूप नमोऽस्तु ते ॥ ३१ ॥  
त्रिमूर्तये नमो देव त्रिधाम परमेश्वर ।  
सर्वमूर्ते नमस्तेऽस्तु त्रैलोक्याधार कामद ॥ ३२ ॥  
नमो वेदान्तवेद्याय नमस्ते परमात्मने ।  
यज्ञरूप नमस्तेऽस्तु यज्ञधाम नमोऽस्तु ते ॥ ३३ ॥  
यज्ञदान नमस्तेऽस्तु हव्यवाह नमोऽस्तु ते ।  
यज्ञहर्त्रे नमस्तेऽस्तु फलदाय नमोऽस्तु ते ॥ ३४ ॥  
त्राहि त्राहि जगन्नाथ शरणागतवत्सल ।  
भक्तानामप्यभक्तानां त्वमेव शरणं प्रभो ॥ ३५ ॥  
इति ब्रह्मपुराणे नवाधिकशततमाध्यायान्तर्गतं  
दक्षकृतं शिवस्तोत्रं समाप्तम् ।  
ब्रह्मपुराण । अध्याय १०९/३०-३५ ॥

brahmapurANa . adhyAya 109/30-35..

Proofread by PSA Easwaran

---

pdf was typeset on September 29, 2024

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

